सिद्ध क्षेत्र

श्री बाहुबली स्वामी

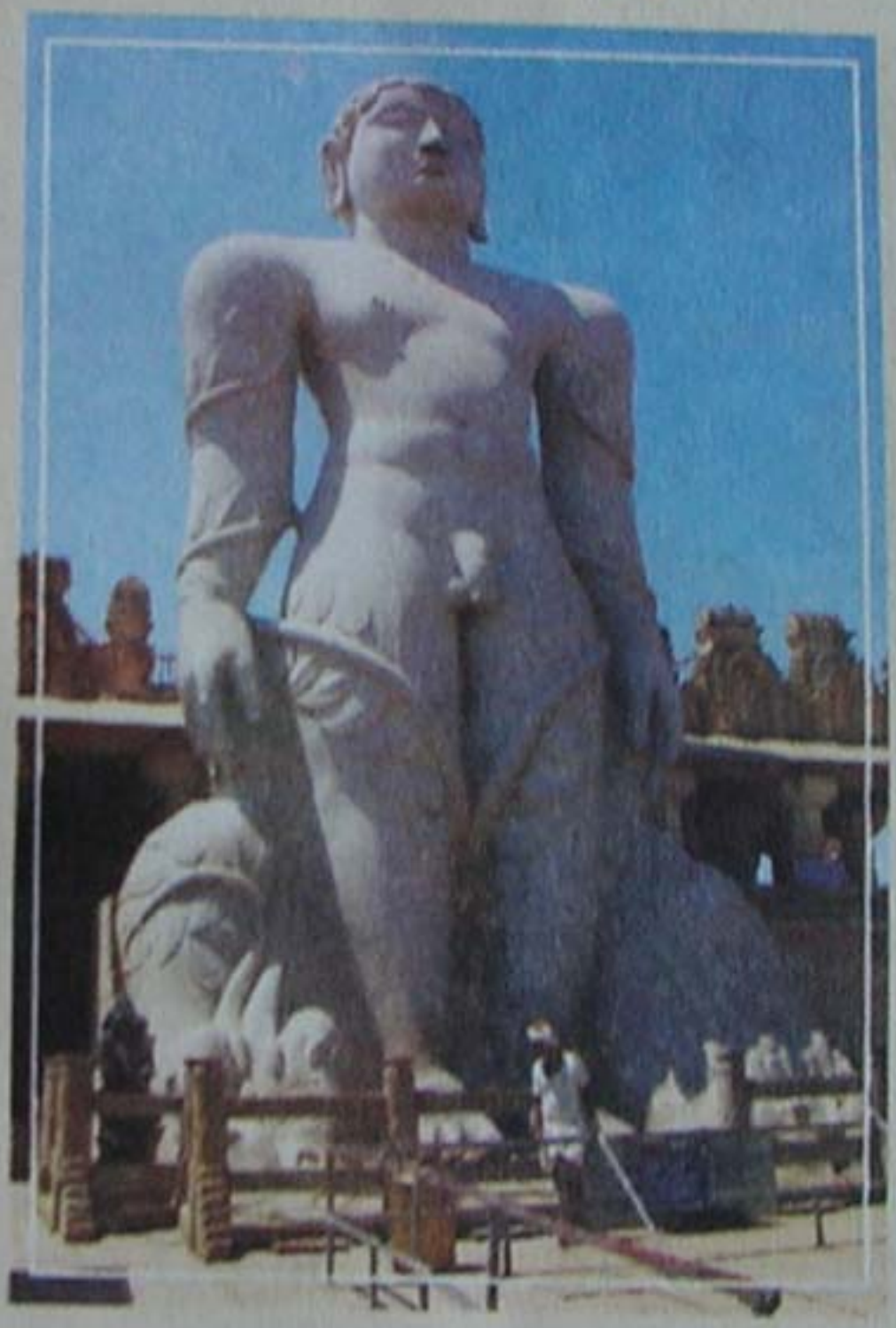

Shri Bahubali Swami,
Shravanbelgola

अर्घ

वसुविधिके वश वसुधा सबही, परवश अति दुख पावै।
तिहि दुःख दूर करन को भविजन, अर्घ जिनाय चढ़ावै॥
परम पूज्य वीराधिवीर जिन, बाहुबली बलधारी।
तिनके चरण-कमल को नित प्रति, धोक त्रिकाल हमारी॥

ॐ ह्रीं श्री वर्तमानवसर्पिणीसमये प्रथममुक्ति स्थान प्राप्ताय कर्मारिविजयी
वीराधीवीर वीराग्रणी श्री गोमटेश्वर बाहुबली परम योगीन्द्राय
अनर्घ्य पद प्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।